उत्पत्ति १० और ११:
पितरों के लिए सेतु

जलप्रलय-पश्चात

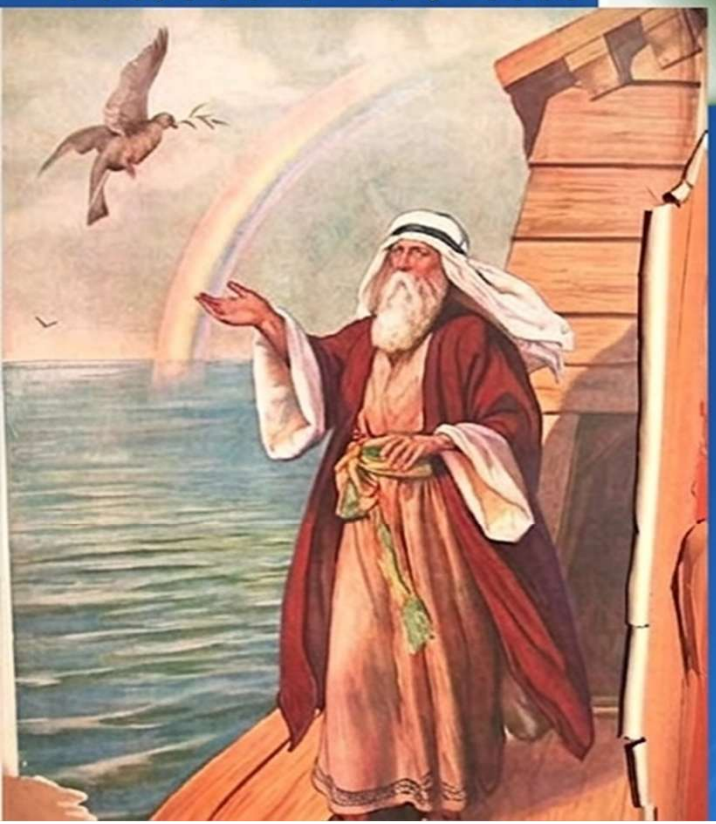

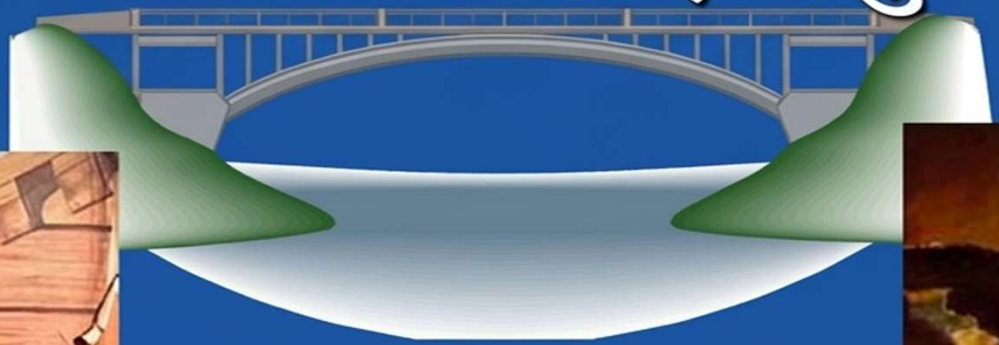

अब्राहम

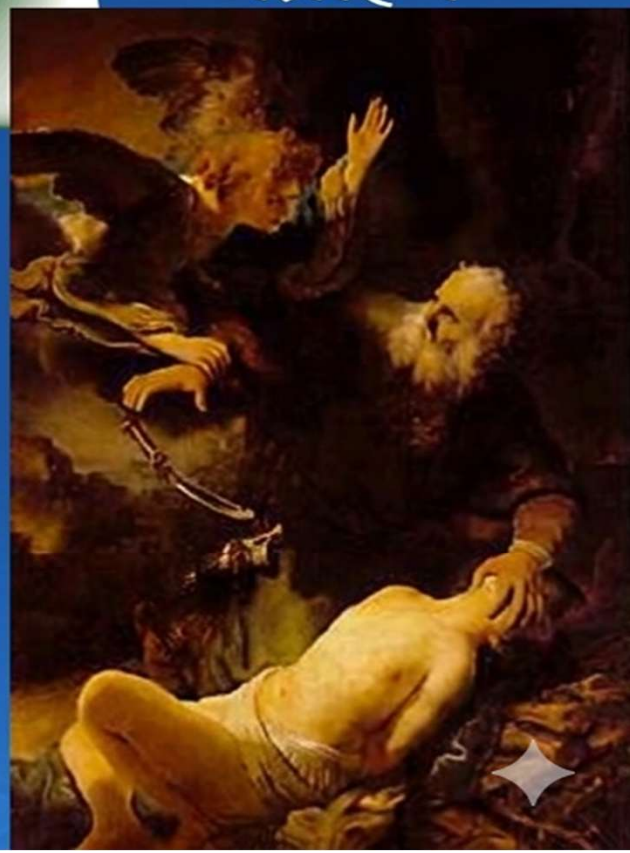

शम, हाम, येपत नूह के इकलौते बेटे नहीं

- केवल ३ बेटों और उनकी पत्नियों का अज्ञात कारणों से चयन
- **तज़ददि्क (Tzaddik)** = धर्मी
- नूह के १००'s बच्चों और पोते-पोतियों की जलप्रलय में मृत्यु
- उन सभी को 'दुष्ट' माना गया था

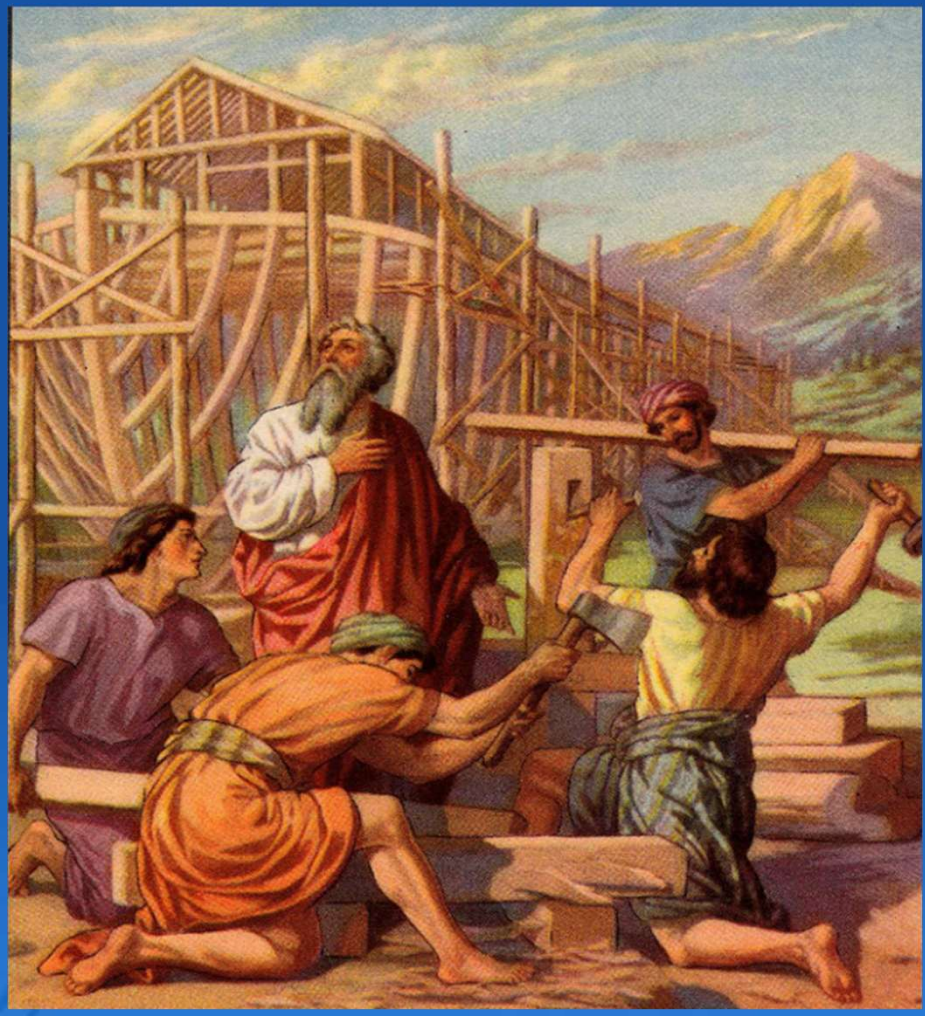

हाम की वंश-परंपरा

कूश
इथियोपिया

मिज़ग्रैम
मिस्र

फूत
लीबिया

कनान
कनान देश

निमर्रोद

मध्य पूर्व और ओरिएंट
अरब नहीं

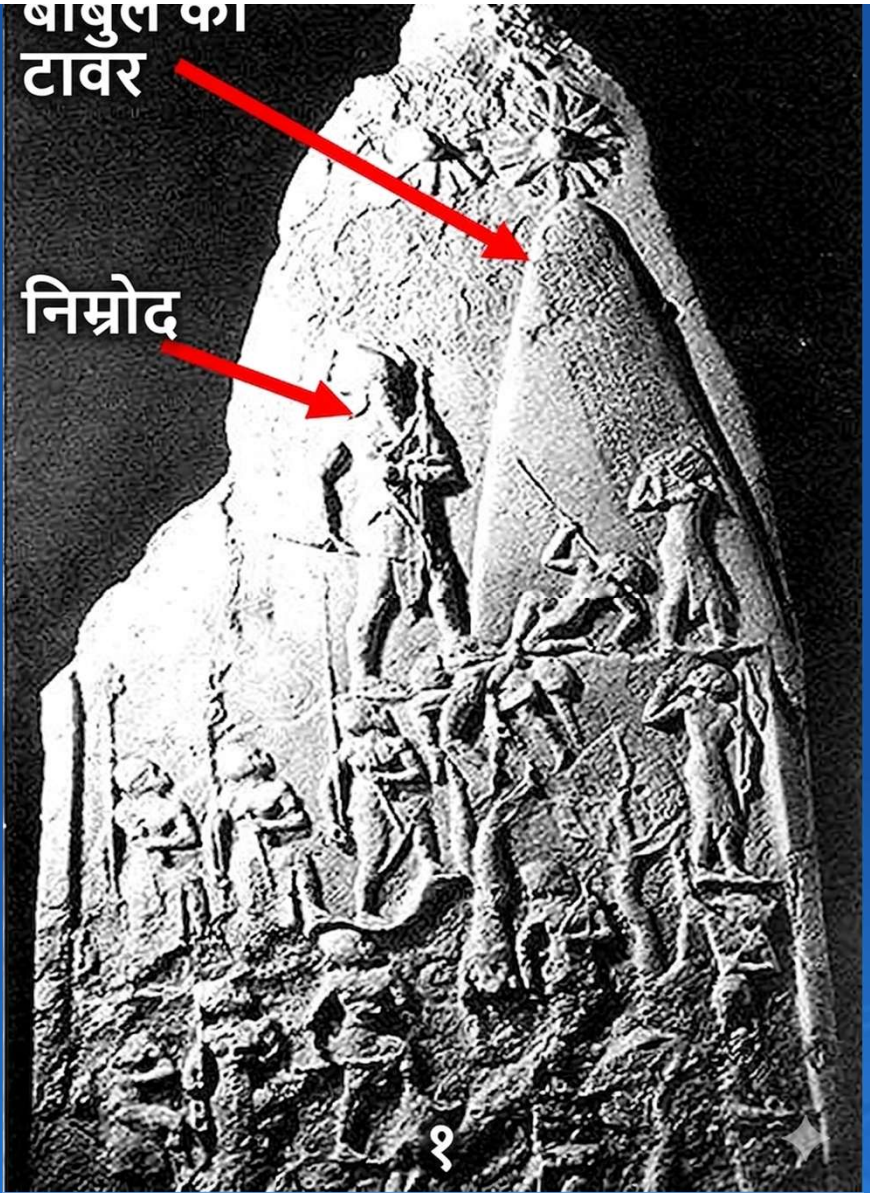

निम्रोद एक बलवान शिकारी

- असीरिया की कई पट्टियां निम्रोद का उल्लेख करती हैं।
- बलवान शिकारी = भयंकर योद्धा
- पहला (१ला) साम्राज्य निर्माता, विश्व का तानाशाह।

काला सागर
Mt. Olympus
ऐजियन सागर
त्रॉय
फ्रीगिया
पवित्र
हत्तुशा
MYGENAEA
लायडिया
Kanish
L. Tuz
HITTITES
माइसीने
अर्ज़ावा
हित्ती
ARZAWA
टॉरस पर्वतमाला
MTS.
Tarsus
Carchemish
अरक्सेस
Araxes
C. Sevan
URARTU MTS.
उरार्तु पर्वत
उरार्तु
URARTU
C. Van
कैस्पियन सागर
निनवे
ELBURZ
MTS.
मितानी
PADDAN-
Harran
ARAM
दजला नदी
Tigris
Nineveh
YAMHAD
Alalakh
Aleppo
Ebla
Hamath
AMURRU
नोसोस
क्रेट
Ugarit
साइप्रस
बाबुल
अश्शूर
Nuzi
Terga
Tadmor
BABYLONIA
ज़ैग्रोस पर्वतमाला
मीडिया
इकबाताना
Ecbatana
Kadesh
Mari
Euphrates
भूमध्य सागर
Kyblos
SYRIAN DESERT
Sidon
Tyre
Damascus
Mt. दमिश्क
फरात नदी
गुटी
Eshnunna
शिनार
सीरियाई रेगिस्तान
अक्कद
Megiddo
Hazor
Shechem
CANAAN
निप्पुर
सुमेर
Susa
एलाम
बाबेल
Zoan (Tanis)
यरूशलेम
Gaza
Rabbah (Amman)
Larsa
Ur
ELAM
Ra'amses (Avaris)
Beersheba
अरब का रेगिस्तान
Noph (Memphis)
On (Heliopolis)
अफ्रीका
EGYPTIANS
Ezion-geber
सिनाई
SINAI
मिस्र
सिनाई पर्वत
कुलपितरों का संसार
फारस की खाड़ी
० १०० २०० ३०० मील
० १०० २०० ३०० ४०० किलोमीटर
नील नदी
Tema
लाल सागर
हित्ती साम्राज्य अपने चरम पर (लगभग १३५० ई.पू.)
मिस्र का साम्राज्य अपने चरम पर (लगभग १४६५ ई.पू.)
प्राचीन बाबुल साम्राज्य अपने चरम पर (लगभग १७५० ई.पू.)
©१९९६ जियोसिस्टम्स ग्लोबल कॉर्प

पलिश्ती

- नूह
  - हाम
    - मिज़्ब्रैम
      - लूदीम
      - अनामीम
      - लेहाबीम
      - नपतुहीम
      - पतरुसीम
      - कप्तोरीम
      - कसलुहीम
        - पलिश्तिम
    - फूत

पैलेस्टाइन = पलिश्ती

अधिकांश "पैलेस्टाइनी" वास्तव में अरब हैं

अरब लोग हाम के वंशज नहीं हैं

अरब लोग शम के वंशज हैं

पलिश्ती अरबों, जिन्होंने खुद को पलिश्तियों से जोड़ा है, उन्होंने अपनी विरासत छोड़ दी है और हाम के अभिशप्त वंश में शामिल हो गए हैं

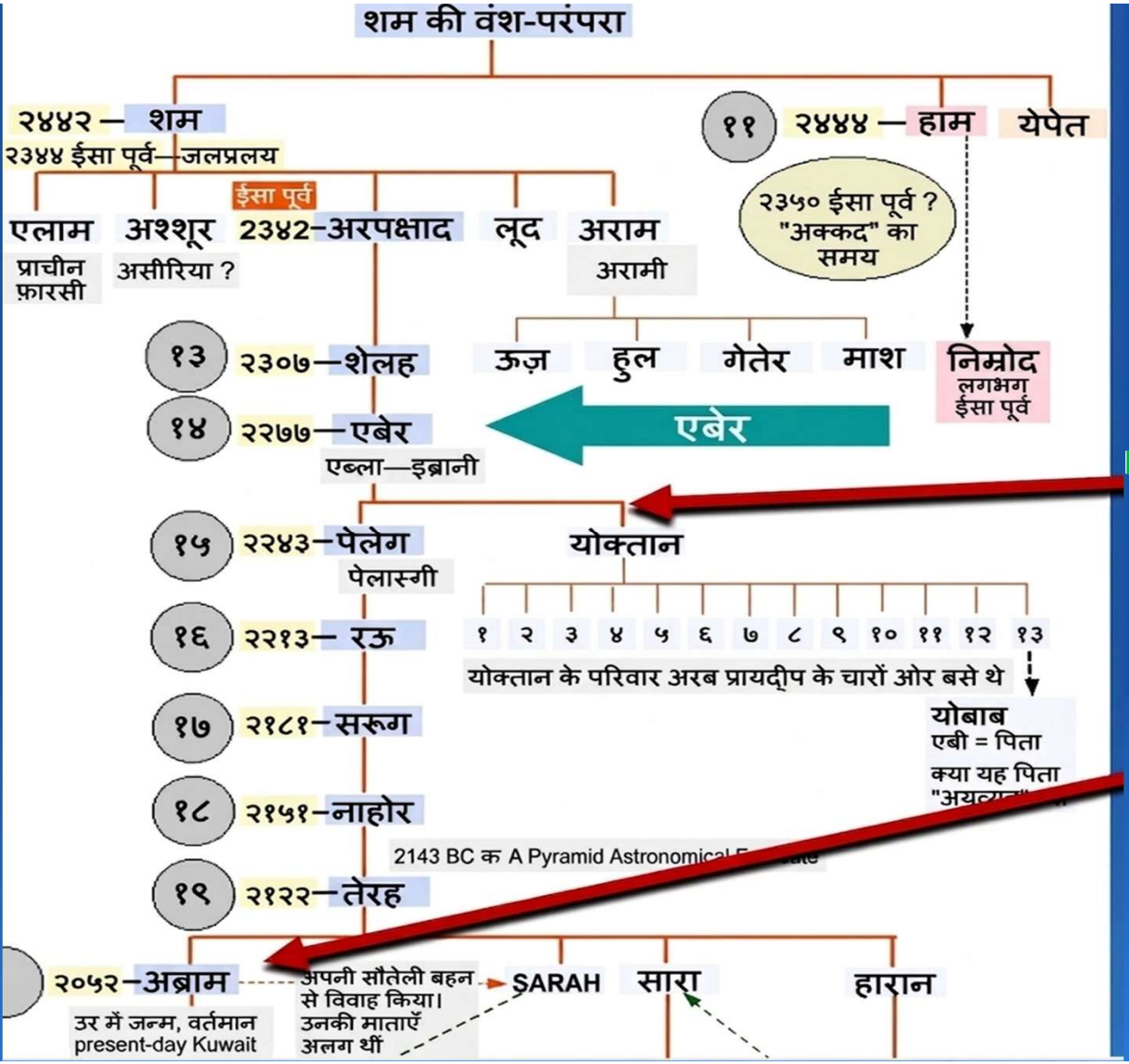

शम

- अश्शूर, शम का पुत्र, वह अश्शूर नहीं है जिसने निनवे को बसाया
- महत्वपूर्ण विभाजन
- पेलेग का अर्थ विभाजन है
- अब्राहम

उत्पत्ति ११
नमरूद: बाबेल का संस्थापक

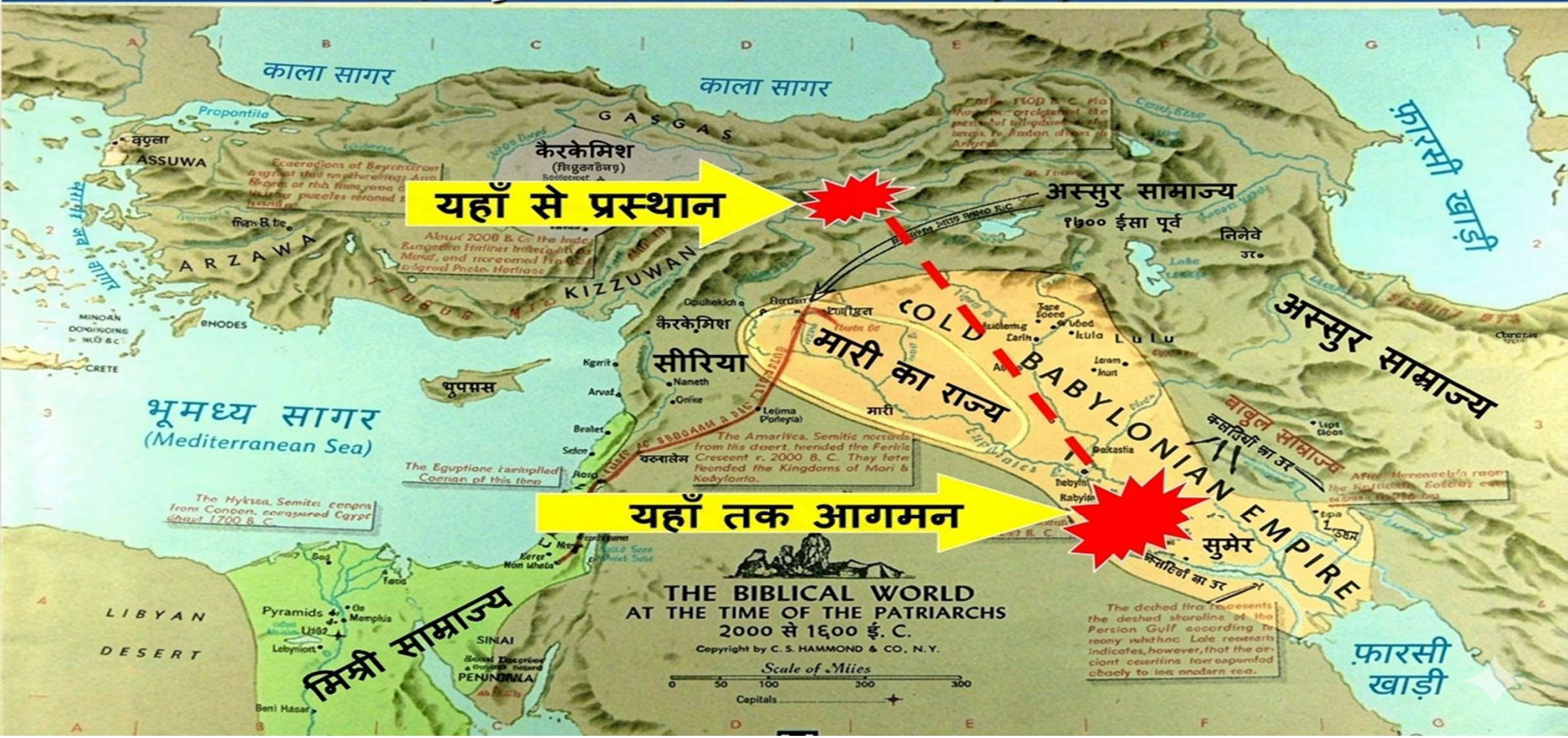

बाबेल बेबीलोन

- निमरोद ने सम्भवतः छोटे-से नगर पर अधिकार कर उसे बड़ा बनाया
- निमरोद के बाद वह नगर कम से कम एक मील वर्ग में फैल गया
- ज़िग्गुरात (मीनार) बनाने का उद्देश्य था:
  a) एक "नाम" बनाना
  b) बिखरे न जाना
- शेम का अर्थ "नाम" है, जिसका मतलब "प्रतिष्ठा" या "यश" है

मानवजाति को बिखरना था

- पद ४: "...कि हम बिखरे न जाएँ....."
- मीनार बनाने का उद्देश्य यह था:
  a) वे स्वर्ग में रह सकें
  b) वे परमेश्वर के समान शक्तिशाली हो जाएँ
  c) लोगों को अपनी शक्ति का भय दिखाना
- ठीक वही काम आज धर्मनिरपेक्ष मानवतावादी समाज कर रहा है!

“...परमेश्वर नीचे उतर आया...”

- यह एक अलंकारिक अभिव्यक्ति है
- एक ही भाषा के बिना संचार असंभव होने से टीमवर्क भी असंभव हो जाता है
- आधुनिक भाषा-वैज्ञानिक (Paleo-Linguists) अब यह निष्कर्ष निकाल रहे हैं कि सभी भाषाओं का एक ही मूल स्रोत था

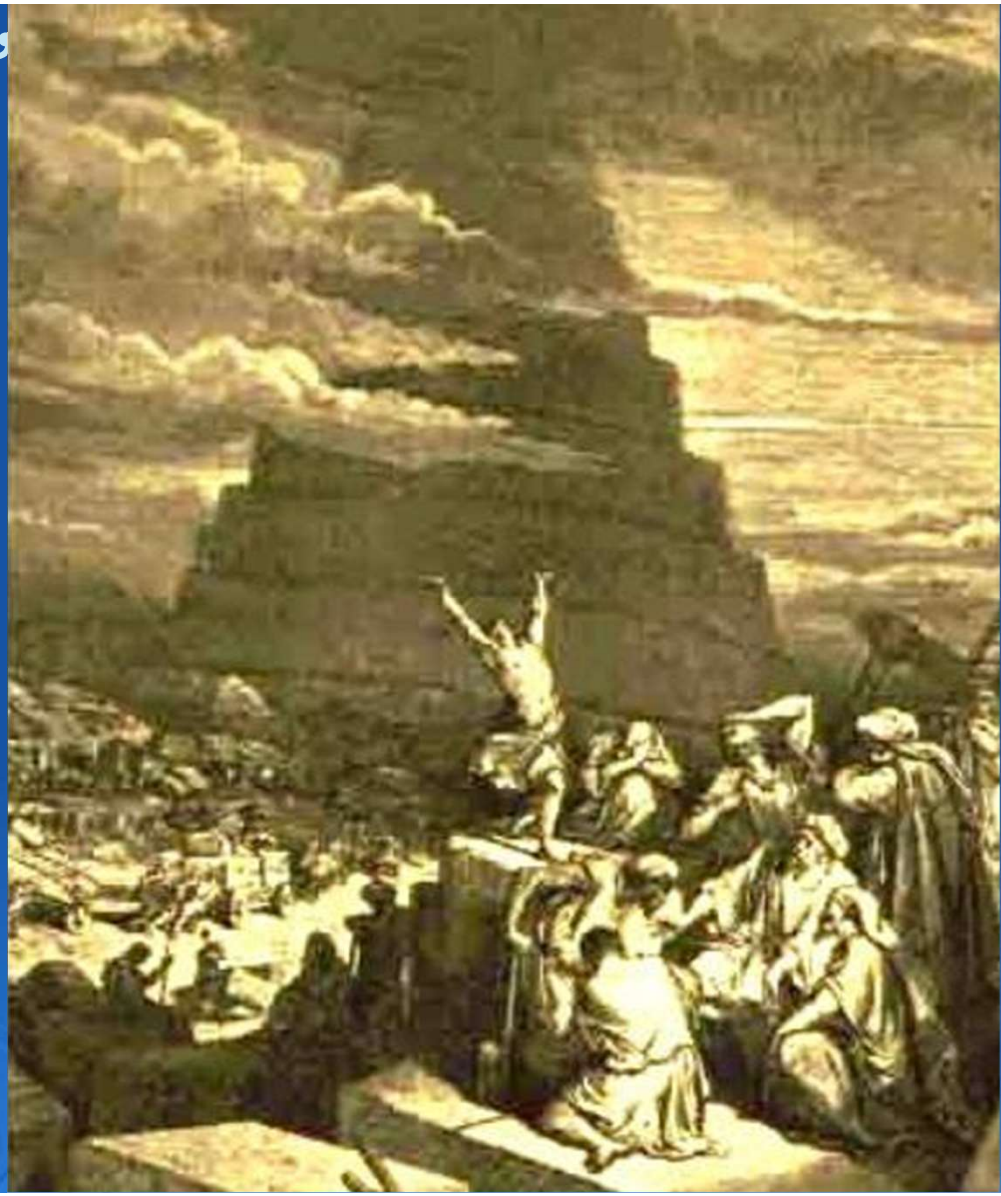

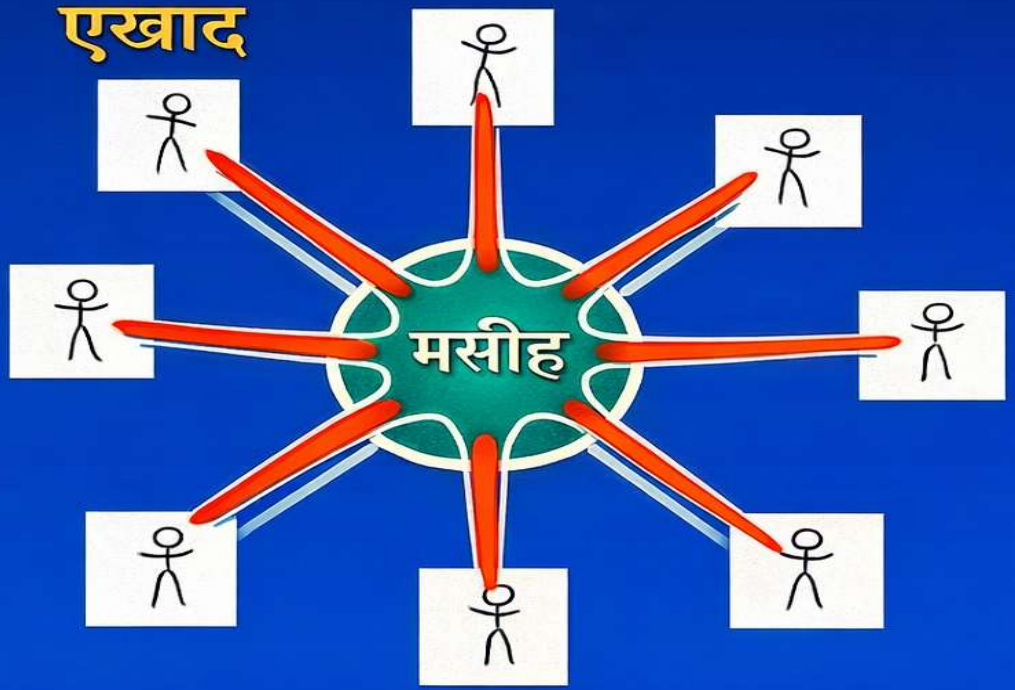

मसीह द्वारा एकता
एखाद
मसीह
एकता
➢ मनुष्य से मसीह से मनुष्य
मनुष्यों में एकता
हेनोतेस
मसीह
एकमत सहमति
➢ मनुष्य से मनुष्य से मनुष्य

पेरितों के काम 2:1-12
बाबेल ओर पिन्तेकुस्त से जुडठता है

मनुष्य की एकता वाबेल में बिखर जाती है

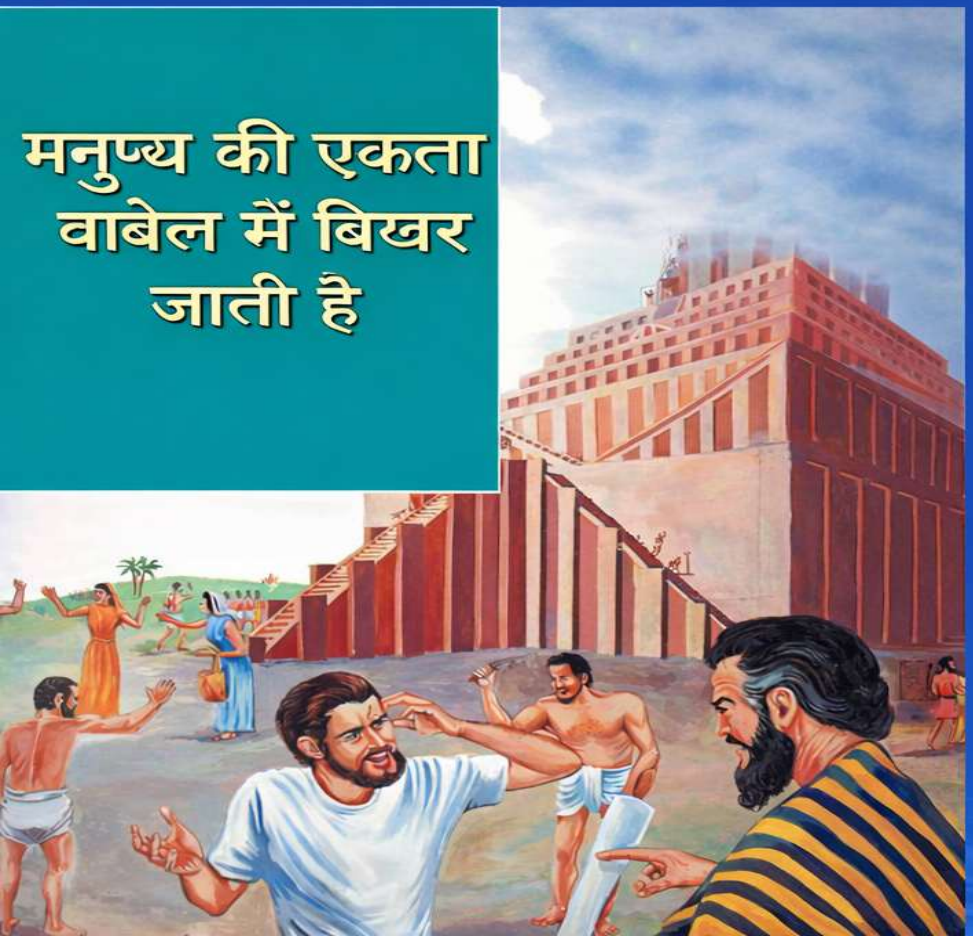

परमेश्वर की एकता पिन्तेकुस्त पर मनुष्य को दी जाती है

निमरोद कौन था?

हिन्द-मसीह

?

- निमरोद एक वास्तविक, ऐतिहासिक पुरुष था
- वह एक "प्रकार" भी था
- वह पाप का मनुष्य था
- वह "मसीह-विरोधी" का एक प्रकार था
- उसने सेमिरामिस से विवाह किया
- निमरोद ने परमेश्वर की अवज्ञा की
- सेमिरामिस स्वर्ग की रानी थी
- तामूज़ उसका पुत्र था
- सभी झूठी धर्मों की मानक रूपरेखा निमरोद से शुरू हुई
- वह उर्वरता की देवी थी;सेमिरामिस → अस्तार्ते → सिबेले → इन्द्राणी → अश्तरोथ → इश्तार → ईस्टर

निमरोद बाल, मर्दूक, मोलेख

- "रहस्यमय बाबेल" — सभी झूठे धर्म निमरोद से ही निकले हैं
- मसीह-विरोधी सम्भवतः हाम की वंशावली से होगा
- बाबेल = बाव'एल = परमेश्वर का नगर
- एल = सबसे ऊँचा परमेश्वर
- बाद में इसका अर्थ "व्याकुलता" या "भ्रम" हो गया
- सतान सहस्राब्दी राज्य की नकल करेगा, एक विश्व सरकार के रूप में

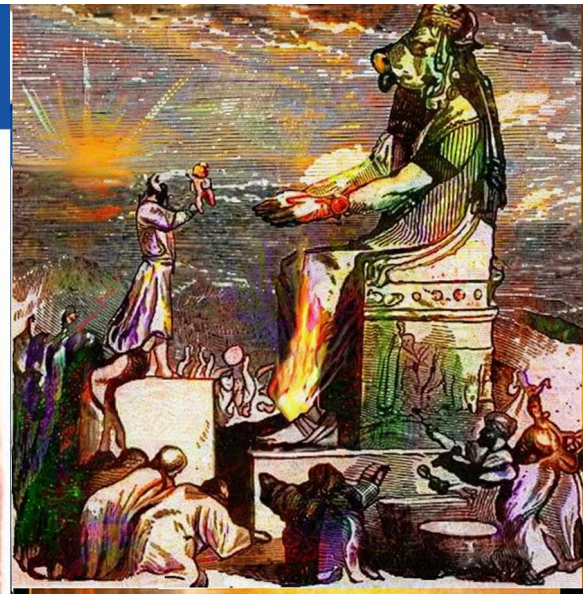

रहस्य, बाबुल महान

अब्राहम

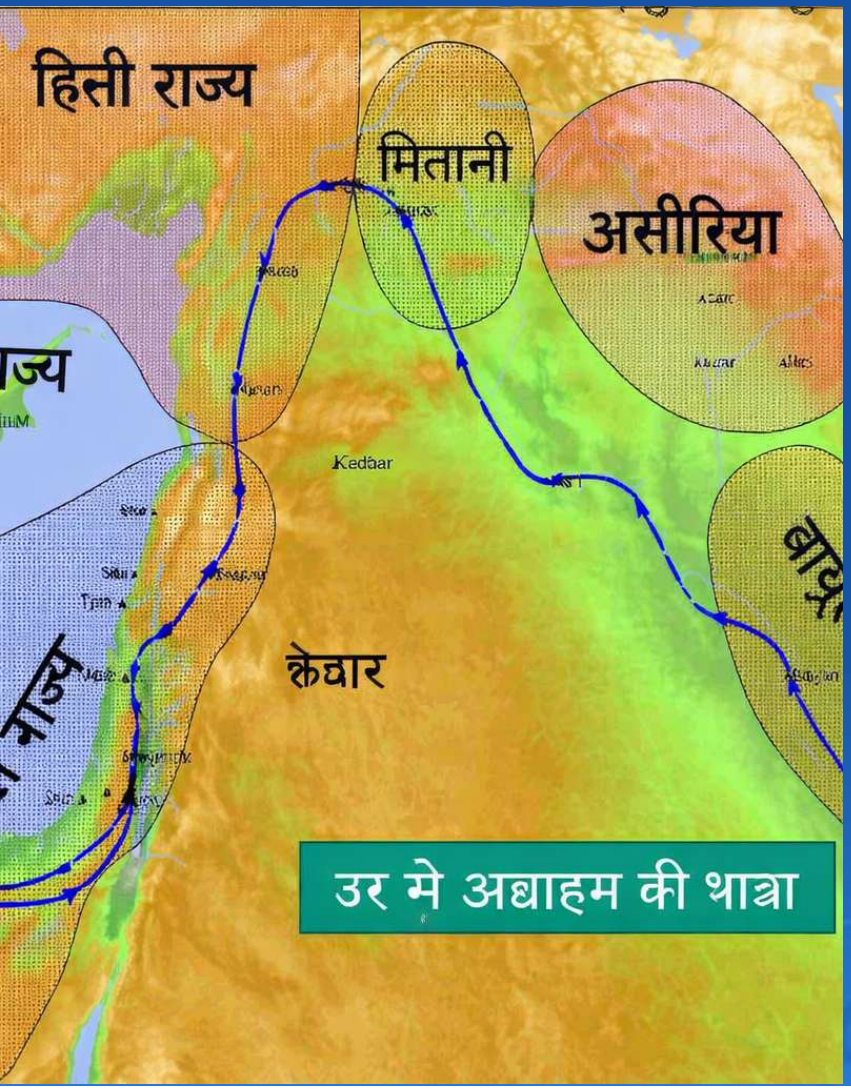

- पिता का नाम तेरह था
- भाई नाहोर और हारान थे (हारान की मृत्यु हो चुकी थी)
- लूत हारान का पुत्र था
- अब्राम ने सारै से विवाह किया
- सारै अब्राम की सौतेली बहन थी
- ऊर का देवता हुरकी चन्द्रमा का देवता था (अल्लाह)
- उत्पत्ति १२
  १) एक बड़ी जाति बनाऊँगा
  २) परिवार पर आशीष दूँगा
  ३) जो अब्राम को श्राप देंगे, वे स्वयं श्रापित होंगे
  ४) तेरा नाम महान होगा
  ५) अब्राम के द्वारा पृथ्वी की सारी कुल-परिवारों को आशीष मिलेगी